NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

सहायक प्रबन्धक – ग्रेड 'ए' – अधिकारी पद के लिए भर्ती हेतु लिखित परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

पशुपालन

यह पाठ्यक्रम केवल निदर्शी है, सम्पूर्ण नहीं

पाठ्यक्रम निदर्शी है और संपूर्ण नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दौरान पाठ्यक्रम को केवल सूचना का स्रोत नहीं माना जाना चाहिए। परीक्षा के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, संबंधित विषय के दायरे में आने वाले सभी मामलों का उम्मीदवार को अध्ययन करना होगा क्योंकि विषय के अधीन सभी प्रासंगिक मामलों पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को उन सवालों के जवाब देने के लिए भी खुद को तैयार करना चाहिए जो वर्तमान / नवीनतम घटनाक्रम / अधिनियमों पर पूछे जा सकते हैं, हालांकि उन विषयों को विशेष रूप से पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है।

चारा उत्पादन :

मृदा, मृदा उर्वरता और उर्वरक, सिंचाई प्रणाली और कारयावयवहार, चारा फसलों की शस्य विज्ञानसम्यक कार्यप्रणाली, फसल चक्र और सघनता, घास तथा घास के मैदान, वन चरागाह प्रणाली, साइलेज तथा बाड़ उगाना.

पशु जनन विज्ञान और संकरण :

वंश की मूल अवधारणा, वंशानुक्रम का सिद्धान्त, संबद्धता सूत्र, नर-मादा निर्धारण, क्रामोजोनिक बिभ्रंशन, जीन – उत्परिवर्तन, संकरण पद्धति, संगम (गर्भाधान) प्रणाली, वंशागतित्व, आवृतित्व और पशु संकरण में चयन, आकार-अनुसूची, पशु संख्या जीनेटिक, जीनेटाइप और फेनाटाइपिक अंतर.

प्रजनन और दुग्ध स्त्रवन की फिजिओलॉजी :

नर और मादा प्रजनन प्रणाली, शुक्राणु जीनेसिस, डिंबाणु चक्र, हीट के लक्षण, वीर्य संग्रहण, वर्गिकरण एवं संरक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, प्रजननता और भ्रूण-प्रतिरोपित गर्भाधान और मातृत्व ग्रंथियों की दुग्ध-स्त्राव संरचना, दुग्ध संश्लेषण और दुग्ध निष्काशन.

पशु पोषाहार :

पशु शरीर की बनावट, कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीनों का उपापाचन, पोषाहार में बृहत और लघु तत्व, पोषाहार में विटामिन तथा हारमोन, पाचन, पोषक तत्व, पोषक आवश्यकताएं, "रियूमन मैटाबौलिजम" बछड़ा-पोषण, चारा तैयार करना और आहार प्रणाली, फसलों के अवशिष्टों और औद्योगिक सह उत्पादों का उपयोग.

पशु स्वास्थ्य :

आकृति वर्णन, प्रजनन, जीवन-वृत्त और पशुओं में परजीवी रोगाणुओं के संक्रामण के माध्यम – ट्रायोनोसोमा, बेबेसिस, कोस्सीडिया, स्किस्टोसोमा, ट्रायकोयोनस, लिवर फ्लूक्स, मक्खियों, जूंये, किलनी, माइट जैसे कीटों का जीवांकाल और पशुपालन के काम में इनका महत्व. पशुओं की प्रमुख बीमारियों, इनके इनयांतरण के सुरक्षात्मक और बचाव के उपाय.

पाउल्ट्री उत्पादन :

मुर्गियों की प्रजातियां – जीन संबंधी सिद्धान्त, चयन प्रक्रिया, संक्रामण पद्धति – आर्थिक गुण – पाउल्ट्री उत्पादन पद्धति और आहार प्रबंधन, रोग नियंत्रण और पाउल्ट्री उत्पादों का विपणन, अन्य प्रजातियां – बटेर, बतख और गिनी फ़ाउल.

पशुधन की अन्य प्रजातियां (भेड़, बकरी, सूअर और खरगोश) :

प्रमुख नस्लें – उत्पादन प्रणाली, प्रबंधन, आहार, रोग नियंत्रण, विपणन.

मांस और मांस उत्पाद :

मांस उत्पादन – जीव मांस का संमिश्रण और इसके गुण – वधशाला – मांस का निरीक्षण – मांस संरक्षण – मांस के सहउत्पाद तथा इनकी उपयोगिता.